

IMO का 132वाँ सत्र

स्रोत: पी.आई.बी.

भारतीय पत्तन, पोत परविहन एवं जलमार्ग मंत्रालय ने लंदन में अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (International Maritime Organization -IMO) की परषिद के 132वें सत्र में भाग लिया।

- अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार में बढ़ी रुचि रखने वाले देशों के लिये IMO परषिद के नरिवाचति सदस्य के रूप में भारत ने नाविकों के परतियाग के ज्वलंत मुद्दे पर प्रकाश डाला।
 - नावकि वे लोग होते हैं जो जहाजों पर काम करते हैं या जो समुद्र में नयिमति रूप से यात्रा करते हैं।
- भारत ने संयुक्त त्रपिकषीय कार्य समूह में IMO का प्रतनिधित्व करने वाली आठ सरकारों में से एक के रूप में अपना स्थान सुरक्षति कर लिया है, जो नाविकों के मुद्दों और समुद्री परचालनों में मानवीय तत्त्व के समाधान के लिये समरपति है।
 - अन्य प्रस्तावति सदस्य हैं फलिपींस, थाईलैंड, लाइबेरिया, पनामा, ग्रीस, अमेरिका और फ्रांस।
- लाल सागर, अदन की खाड़ी तथा आस-पास के कषेत्रों में व्यवधानों से संबंधति चतिाओं पर भी वचिार कया गया, जसिसे शपिगि तथा व्यापार लॉजिस्टिक्स पर प्रभाव पड़ रहा है।
- भारत ने सतत् समुद्री परविहन के लिये दक्षणि एशियाई उत्कृष्टता केंद्र (SACE-SMarT) के लिये अपना प्रस्ताव दोहराया।
 - इस कषेत्रीय केंद्र का उद्देश्य भारत और दक्षणि एशिया में समुद्री कषेत्र को तकनीकी रूप से उन्नत, पर्यावरण की दृष्टिसे टकिाऊ तथा डजिटिल रूप से कुशल उद्योग में बदलना है।
 - यह केंद्र ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने, तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देने, क्षमता नरिमाण और डजिटिल संक्रमण पर ध्यान केंद्रति करेगा।

और पढ़ें: अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन